अधिगम की सामाजिक सांस्कृतिक प्रक्रिया (Socio- Cultural Process of Learning) — शिक्षा समाज में रहने वाले व्यक्तियों के सम्पूर्ण जीवन एवं व्यवहारों से सम्बन्धित ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने की प्रक्रिया है। वास्तव में यह प्रक्रिया केवल वर्तमान से ही सम्बन्धित नहीं होती बल्कि इसका सम्बन्ध भविष्य से भी है। यही कारण है कि शिक्षा सामाजिक निधि को सुरक्षित रखने का एक साधन है, जिसके बल एवं आधार पर प्रत्येक पीढ़ी अपना सुधार एवं सम्बर्द्धन करती रहती है और अन्त में उन्नति के पथ पर अग्रसर होती है।

शिक्षा आधुनिक समय में विकास की प्रक्रिया से तात्पर्य रखती है; अतः विकास और शिक्षा दोनों को एक ही माना जाता है। विकास व्यक्ति तथा समाज दोनों का होता है क्योंकि बिना व्यक्ति के समाज की कल्पना करना असम्भव है और बिना समाज के व्यक्ति को वातावरण ही नहीं मिलता

Scanned with CamScanner

जिसमे वह अपना विकास करे।

अधिगम का सामाजिक कार्य उसकी सामाजिक संस्थाओं के द्वारा पूरा होता है। शिक्षा के द्वारा सामाजिक भावना की जागृति होती है। व्यक्ति समाज के कृत्यों मे भाग लेता है और सफलता के साथ उन्हे पूरा करता है। उसके मूल मे मनुष्य की सामाजिक भावना छिपी रहती है जो सामाजिक जीवन के लिए प्रेरणा एवं इच्छा से पूरी होती है। यही कारण है कि मनुष्य विभिन्न आर्थिक, राजनैतिक संस्थाए, विद्यालय, शिल्प संस्थाए आदि बनाता है।

अधिगम का एक महत्वपूर्ण कार्य सांस्कृतिक निधि की सुरक्षा एवं उसका पीढी दर पीढी हस्तान्तरण है। मैथ्यु आर्नाल्ड के अनुसार, समाज के व्यक्तियो के द्वारा जो कुछ श्रेष्ठतम रूप से सोचा या जाना गया है संस्कृति है। इस विचार से संस्कृति के अन्तर्गत हमारे सभी उत्कृष्ट, बौद्धिक, भावात्मक एवं शारीरिक कार्य सम्मिलित किये जाते है। ज्ञान विज्ञान, कला और साहित्य व्यवहार और कौशल से संस्कृति को प्रकट करते है। "संस्कृति किसी समाज के जीवन की सम्पूर्ण रीति है।

अधिगम के प्रकार
Type of Learning

1- संवेदन गति अधिगम (Sensorimotor Learning)

— संवेदन गति अधिगम, व्यवहार मे संशोधन

Scanned with CamScanner

का सरलतम रूप है। इसके अन्तर्गत बालक कौशल का अर्जन करता है। विभिन्न प्रकार की कुशलता इसके अन्तर्गत अर्जित की जाती है. जैसे टाइपिंग, साइकिल चलाना, चित्र बनाना आदि। इसके अन्तर्गत संवेदन अधिगम भी आता है। इसके अन्तर्गत दैनिक व्यवहार मे अनेक प्रकार के अनुकरण किये जाते है। बालक आरम्भ मे माँ शब्द सुनता है, उसे बार बार दोहराता है। परिपक्वता की वृद्धि के साथ साथ अनुभव मे आने वाली वस्तुओ की संख्या भी बढने लगती है।

2. बौद्धिक अधिगम (Intellectual Learning)

— बालक के मानसिक विकास के साथ साथ उसमे तर्क शक्ति बढ़ती है। संवेदन गति से प्राप्त होने वाले ज्ञान के विकास का अर्जन ही बौद्धिक अधिगम है।

3= गत्यात्मक अधिगम (Motor Learning) - जब तक बालक छोटा होता है, तब तक उसकी मानसिक शक्तियो का विकास नही होता। ऐसे समय वह शरीर के संचालन एवं गति पर नियन्त्रण करना सीखता है।

4= प्रत्यक्षात्मक अधिगम (Perceptual Learning) - मस्तिष्क के विकास के साथ साथ उसकी विभिन्न ज्ञानेन्द्रियां भी विकसित होती रहती है। इससे व्यवहार मे आने वाली प्रत्येक वस्तु का अर्थ मस्तिष्क मे स्पष्ट हो जाता है और प्रत्यक्षात्मक अधिगम का आरम्भ हो जाता है।

5- साहचर्यात्मक अधिगम (Associative Learning)

- संकल्पनात्मक अधिगम, साहचर्यात्मक अधिगम की सहायता से आगे बढ़ता है। नवीन विचार या संकल्पनाएं तभी कारगर होती है जबकि साहचर्य के द्वारा सर्वधारणाओं को बल प्रदान किया जाता है।

Scanned with CamScanner

6- प्रशंसात्मक अधिगम (Appreciational Learning) — जब संकल्पना ज्ञान की ओर बढ़ती है तब प्राप्त अनुभव या ज्ञान का मूल्यांकन, गुण-दोष, विवेचना आदि करने की शक्ति बालक में आने लगती है

7- अभिवृत्यात्मक अधिगम (Attitudinal Learning) — व्यवहार के अर्जन के समय बालक वांछित अभिवृत्तियों को ग्रहण करता है किसी भी वस्तु, विचार तथा कार्य के प्रति उसकी धारणा बन जाती है जो उसके व्यवहार को निर्धारित करती है।

जिज्ञासा एवं अधिगम
Curiosity and Learning

जिज्ञासा का अर्थ (Meaning of Curiosity)

— जिज्ञासा एक मानसिक प्रक्रिया है जो कि सामान्य रूप से हमे किसी विषय के बारे में सीखने को प्रेरित करती है। दूसरे शब्दो में जिज्ञासा मानव विकास के सभी पहलुओ जिसमे ज्ञान और कौशल इत्यादि सम्मलित होते है के साथ घनिष्टता के साथ जुड़ी है। इसके द्वारा व्यक्ति मे ज्ञान और कौशल प्राप्त करने की इच्छा होती है। व्यवहारिक रूप से व्यवहार और भावना को निर्धारित करने की

Scanned with CamScanner

इच्छा के लिए भी जिज्ञासा शब्द का प्रयोग किया जाता है। बचपन में जब हम किसी बालक को विभिन्न तरह के प्रश्न पूछते हुए पाते है। जैसे की चन्द्रमा गोल क्यो है ? रात क्यो होती है ? इत्यादि प्रश्नो के पीछे उनकी जिज्ञासा ही होती है। और उसका बच्चो को सही तरीके से उत्तर देना भी आवश्यक होता है।

अत: साधारणत शब्दो मे हम कह सकते है की किसी भी वस्तु या विषय के बारे मे जानने की इच्छा रखना ही जिज्ञासा कहलाता है।

जिज्ञासा के प्रकार — मनोविज्ञान मे मुख्यरूप से जिज्ञासा के दो प्रकार बताये गए है —

(i) अवधारणात्मक जिज्ञासा
(ii) ज्ञानात्मक जिज्ञासा

(i) **अवधारणात्मक जिज्ञासा** ⇒ ज्ञानेंद्रियो को ज्ञान का द्वार कहा जाता है। अपनी ज्ञानेन्द्रियो के द्वारा हम जो अनुभव करते है उसके आधार पर हमारे अन्दर जो जिज्ञासा उत्पन्न होती है उसे हम अवधारणात्मक जिज्ञासा कहते है।

(ii) **ज्ञानात्मक जिज्ञासा** ⇒ अवधारणात्मक जिज्ञासा के विपरीत ज्ञानात्मक जिज्ञासा की उत्पत्ति होती है। अन्दर से कुछ सीखने और सूचनाये एकत्रित करने के लिए अभिप्रेरित करती है इसलिए इसमे जानबूझकर सीखने का प्रयत्न किया जाता है ज्ञानात्मक जिज्ञासा द्वारा व्यक्ति हर तरह के सामान्य ज्ञान को सीखने के लिए उत्सुक रहता है।

जिज्ञासा एवं अधिगम — अधिगम एवं जिज्ञासा का आपस मे गहरा सम्बन्ध है। जब हम जिज्ञासा एवं

Scanned with CamScanner

अधिगम की बात कर रहे होते है तो हम कक्षा कक्ष के परिपेक्ष मे परस्पर सहभागिता की बात कर रहे होते है। यदि कोई विद्यार्थी किसी विषय के बारे मे रुचि रखते है और उत्सुक होते है तो वह जिज्ञासा ही होती है। स्पष्ट है की जिज्ञासा और सीखने का आपस मे घनिष्ट सम्बन्ध है जब तक किसी कार्य को करने या सीखने के लिए हमारे अन्दर से इच्छा जागृत नही होती है तब तक ~~किसी कार्य को करने या सीखने के लिए हमारे अन्दर~~ हम कुछ भी सीखने के लिए तैयार नही होते है। जिज्ञासा के द्वारा ही हमारे अन्दर सीखने की इच्छा जागृत होती है तभी सीखने की प्रक्रिया प्रभावी होती है। जिज्ञासा और अधिगम दोनो साथ साथ चलते है। जिज्ञासा अधिगम के लिए प्राथमिक प्रेरक के रूप मे काम करती है। जिज्ञासा अधिगम के विभिन्न स्तर पर अपना प्रभाव डालती है। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया मे प्रभावशाली सम्प्रेषण के लिए श्रोताओ की तत्परता बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिस काम के लिए हम पहले से ही तैयार होते है उसको बहुत ही प्रभावशाली एवं कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया जा सकता है यह तभी सम्भव है यदि हम उस कार्य को करने के लिए पहले से ही रुचि रखते है और यह रुचि हमे तब उत्पन्न होती है जब हम किसी विषय को जानने के लिए पहले से ही उत्सुक होते है।

Scanned with CamScanner